हिंदी रसास्वादन

अंक - 2 अप्रैल 2007

संपादन
श्री अशोक कुमार बिल्लूरे- 3436
डॉ. मनीष कुमार पंड्या - 4070
श्री सी एन लाल- 4557

सहयोग
सुश्री रजनी सेमवाल - 3437
श्रीमती नीलू सेठ - 3437
श्री के के भास्करन - 4068

प्रिय पाठकगण,

सैक के सुधी पाठकों के लिए हिंदी पत्रिका का यह दूसरा अंक प्रस्तुत है । "हिंदी रसास्वादन" के प्रवेशांक के संदर्भ में हमें पाठकों की प्रत्यक्ष एवं दूरभाष के द्वारा प्रतिक्रियाएं प्राप्त हुईं । हम उनका धन्यवाद करते हैं । इस द्वितीय अंक में हमने पाठकों से प्राप्त कविताओं को भी सम्मिलित किया है । साथ ही इसे अधिक ज्ञानवर्धक बनाने का प्रयास किया है ।

पत्रिका के नियमित प्रकाशन में आप सभी का सहयोग अपेक्षित है । कृपया लघुकथा, कहानी, कविता व चुटकुले आदि प्रकाशनार्थ भेजें । पत्रिका के लिए आपके सुझाव भी आमंत्रित है ।

पत्रिका के प्रकाशन में पुस्तकालय प्रभाग की अभिरूचि सराहनीय है।

साधुवाद के साथ

- संपादक मंडल

अशोक चक्रधर की तीन कविताएँ

<u>रिक्शेवाला</u>

आवाज़ देकर
रिक्शेवाले को बुलाया
वो कुछ
लंगड़ाता हुआ आया।

मैंने पूछा-
यार, पहले ये तो बताओगे,
पैर में चोट है कैसे चलाओगे?
रिक्शेवाला कहता है-
बाबू जी,
रिक्शा पैर से नहीं
पेट से चलता है।
- अशोक चक्रधर

कितनी रोटी

गांव में अकाल था,
बुरा हाल था।
एक बुढ़ऊ ने
समय बिताने को,
यों ही पूछा
मन बहलाने को-
खाली पेट पर
कितनी रोटी खा सकते हो
गंगानाथ?

गंगानाथ बोला-
सात!

बुढ़ऊ बोला-
गलत!
बिलकुल गलत कहा,
पहली रोटी
खाने के बाद
पेट खाली कहां रहा।
गंगानाथ,
यही तो मलाल है,
इस समय तो
सिर्फ़ एक रोटी का सवाल है।

\- अशोक चक्रधर

आपकी नाकामयाबी

नन्हा बच्चा
जिस भी उंगली को पकड़े
कस लेता है,
और
अपनी पकड़ की
मज़बूती का
रस लेता है।

आप कोशिश करिए
अपनी उंगली छुड़ाने की।
नहीं छुड़ा पाए न !

वो आपकी नाकामयाबी पर
हंस लेता है।

और
अपनी पकड़ की
मज़बूती का
भरपूर रस लेता है।

- अशोक चक्रधर

कुछ जानें

हालही में विश्वभर में 14 फरवरी को प्रेमियों का दिन 'वेलेन्टाइन डे ' मनाया गया। प्रेम से संबंधित कई समानार्थी शब्द हैं।

प्रेम के लिए शब्द हैं:

प्रेम: अनुरक्ति, अनुरत, अनुराग, अभिकाम, अभिकामना, अभिप्रणय, अभिरति, अवन, आबंध, आबंधन, आशनाई, आसक्ति, इश्क, मुहब्बत, उंस, उछाह, उत्सव, उपधान, उलझन, उलफत, कंदर्प, काम, कामना, चाव, चाह, चाहत, चेतोजन्मा, चेतोभव, चेतोभू, छोह, जन्या, झुकाव, झुकावट, तपाक, दिल की लगन, दिलबस्तगी, दिल्लगी, निरति, निष्ठा, निस्बत, नेह, नेहा, पिरीती, प्यार, प्यारमुहब्बत, प्यारव्यार, प्रणय, प्रश्रय, प्रश्रयण, प्रसंग, प्रियता, प्रीति, प्रीतिभाव, प्रेम, प्रेमव्रेम, भाय, भाव, भावना, मदन, मनोराग, मार, मार्गण, मुग्धता, मेल, मोह, मोहब्बत, मोहनी, यारी, यावरी, योग, रंग, रक्ति, रगबत, रणरण, रत, रतिवल्ली, राग, रागानुराग, राधा, रिझन, रिधम, रीझ, रुचिता, रोमास, लगंत, लग, लगन, लगालगी, लगावट, लगी, लव, लाग, लागी, लालन, लालित, लुब्धता, लौ, वत्सलता, वल्लभता, वाल्लभ्य, वासना, विस्तर, शफ़क़त, श्रृंगार, संकल्पयोनि, संकल्पसंभव, संग, संप्रश्रय, संप्रश्रयण, संराग, समासक्ति, सम्मित, सम्मोह, सर, सुराग, सुहाग, सेतु, सौदा, सौभाग्य, स्नेह, स्मर, स्वांतज, हार्द, हुब्ब, हृदयानुराग ...

हिन्दी शब्द-सामर्थ्य

विलोम शब्द	
अवैतनिक (honorary	वैतनिक (Salaried,paid)
अवैध(illegal)	वैध (legal)
अव्यवस्थित(disordered)	व्यवस्थित(in order)
अशांत(agitated)	शांत (calm, quiet)
अशुद्ध(impure, wrong)	शुद्ध (pure, correct)

शब्द-विवेक	
वेतन	किसी को नौकरी पर रखकर उसकी सेवा के बदले में नियत/नियमित धन-राशि देना वेतन है।
पारिश्रमिक	किसी से कोई श्रम कराकर उसके बदले में धनराशि देना पारिश्रमिक है ।

वैर	मन में पाली हुई उग्र शत्रुता।
शत्रुता	दुष्टतापूर्ण हानि पहुंचाने की भावना ।

शंका	किसी निश्चय के बारे में दुविधा
सन्देह	(अनिश्चय) उस पर चोर होने का सन्देह है।
भ्रम	किसी चीज़ को कुछ और समझ बैठना।
आशंका	अनिष्ट हो जाने की संभावना; जैसे पांच व्यक्तियों के डूब जाने की आशंका हैं।

शील	शील के साथ विनम्रता और शिष्टता का भाव रहता है।
स्वभाव	किसी का स्वभाव अच्छा भी हो सकता है और बुरा भी।

श्रम	(शारीरिक) मजदूरी।
परिश्रम	(शारीरिक तथा मानसिक) मेहनत ।

सामान्य पदनाम (Common Designations)	
Accountant	लेखापाल
Accountant General	महालेखापाल
Accounts Officer	लेखा अधिकारी
Acting Director	कार्यकारी निदेशक
Additional Secretary	अपर/अतिरिक्त सचिव

मंत्रालयों और कार्यालयों के नाम	
All India Radio	**आकाशवाणी**
Accounts Department	**लेखा विभाग**
Army Headquarters	**सेना मुख्यालय**
Air Headquarters	**वायुसेना मुख्यालय**
Army Purchase Organisation	**सेना क्रय संगठन**

पर्यायवाची	
अग्नि	आग, अनल, पावक, वह्नि, दहन, कृशानु
अज्ञ	नासमझ, मूर्ख, अज्ञानी
अनुपम	अद्वितीय, अतुल्य, अपूर्व, अनूठा
अन्धकार	तिमिर, अँधेरा, तम, ध्वैन्त
अधम	नीच, निकृष्ट

अनेक शब्दों के लिए एक शब्द	
जो कहा न जा सके	अकथनीय
जो क्षमा न किया जा सके	अक्षम्य
जो खाने योग्य न हो	अखाध्य
जिसका जन्म पहले हुआ हो	अग्रज
जो आगे की बात सोचता हो	अग्रसोची
जो बूढ़ा न हो	अजर

मुहावरे

1.अंगुली पकडकर पहुँचा पकड़ना : थोड़ा सहारा पाकर और अधिक लाभ प्राप्त करने कि युक्ति बनाना।

उसे कह दो कि अंगुली पकडकर पहुँचा पकड़ने के प्रयास न करे। मैं और सहायता नहीं दे पाऊँगा, बेकार मनमुटाव होगा।

2.अंगूर खट्टे होना : जब कोई चीज़ न मिले तो उसमें दोष निकालना।

सरिता राज से शादी करने के लिए लालायित रहती थी; अब उसके राज़ी न होने पर उसकी चुगली करते नहीं थकती। यह तो लोमड़ी को अंगूर न मिले तो खट्टे हैं वाला हाल है।
3.अन्धे की लाठी होना : कमज़ोर का आश्रय।
राजू अपने बूढ़े माता-पिता के लिए अन्धे की लाठी है।
4.अन्धे के हाथ बटेर लगना- संयोग से कसी अयोग्य व्यक्ति को सफलता मिलना
उसे आता-जाता कुछ नहीं; यह तरक्की तो अन्धे के हाथ बटेर लगनेवाली बात है
5.अक्ल के घोड़े दौड़ाना - कई प्रकार के सोच-विचार करना।
अक्ल के घोड़े दौड़ाने से काम न चलेगा; कुछ हाथ-पैर तो हिलाने ही पड़ेंगे।

हिन्दी रसास्वादन के अंक - 1 **मैं भी कवि...** के अंतर्गत पाठकों को एक पंक्ति दी गई थी। पाठकों को अपनी ओर से तीन पंक्तियाँ लिखनी थीं।

प्रस्तुत है : हिन्दी रसास्वादन के पाठकों की रचनाएं।

लोग सारे अंग्रेजी में काम करें,
मन देखा-देखी अंग्रेजी में काम करें,
आत्मा कहे, हिंदी का भी नाम ऊँचा करें,
इसलिए आईए, हम हिंदी में काम करें।

--घनश्याम दलाल
डेकू (3120)

हिन्दी ही अपनी राष्ट्रभाषा
हिन्दुस्तान ही अपना देश
हिन्दी भाषा ही है अपनी
आइए हिंदी में काम करें।

--झनिषकुमार आर. पटेल
एम.पी. इ.डी. लैब (3851)

हिन्दी भारत वर्ष की संपर्क भाषा है।
यह जन-जन की मधुरिम आशा है।
हिन्दी में करके काम, हिन्दी का ऊंचा नाम करें,
आइए, हम सब हिंदी में काम करें।

--- बंसीधर पी. भट्ट
पुस्तकालय (4053)

मैं भी कवि ...

आप को नीचे एक पंक्ति दी गई है। आप को पहली तीन पंक्तियां लखनी हैं, जिससे चौथी पंक्ति का भाव स्पष्ट हो। आपकी रचनाओं को पत्रिका के अगले अंक में प्रकाशित किया जाएगा।

....

....

....

उफ..... ये गर्मियों के दिन फिर आ गए।

cccccccccccc

हिंदी कार्यान्वयन के क्षेत्र में

- विश्व हिंदी दिवस 10 जनवरी को मनाया गया । जिसमें हिंदी निबंध प्रतियोगिता आयोजित की गई।
- 26 जनवरी 2007 को सैकनेट पर "हिंदी प्रभाग" वेब पेज लांच किया गया ताकि हिंदी संबंधित जानकारी एक ही स्थान पर मिल सके।
- 26 मार्च 2007 को राजभाषा कार्यान्वयन समिति की बैठक हुई ।
- सुरक्षा सप्ताह के दौरान हिंदी/गुजराती/अंग्रेजी निबंध का आयोजन किया गया।
- विभागीय व्यवस्था के अधीन हिंदी आशुलिपि कक्षाओं का आयोजन विडियो कान्फ्रेंसिंग के माध्यम से किया जा रहा है ।

हिंदी कार्यशाला

हमारे केंद्र में वरिष्ठ तकनीकी स्तर के 100 स्टाफ सदस्यों के लिए हिंदी कार्यशाला का आयोजन 12, 13 एवं 14 फरवरी, 2007 को किया गया । इस कार्यशाला में स्टाफ सदस्यों के लिए "राजभाषा - नीति तथा दैनिक कामकाज में हिंदी का प्रयोग" विषय पर कक्षाओं का आयोजन किया गया ।

कक्षाओं में व्याख्यान देने के लिए निम्मलिखित व्याख्याताओं को आमंत्रित किया गया था:-

1.डॉ.रमेश वर्मा	उप प्रबंधक, राभा, भारतीय खाद्य निगम
2.श्री राधेश्याम गुप्ता	हिंदी अधिकारी, पीआरएल
3.श्री एम. के. अवस्थी	सहायकनिदेशक(राभा),कर्मचारी राज्य बीमा निगम
4.प्रताप डाबरा	सहायक निदेशक (रा.भा.) केंद्रीय उत्पाद शुल्क
5.श्री वि. दत्त	पूर्व हिंदी अधिकारी, सैक
6.श्री दौलत सिंह	सहायक निदेशक (राभा), भारतीय विमान पत्तन प्राधिकरण

हिंदी कार्यशाला 12-14 फरवरी 2007